



## ISO COPOLCO प्लेनरी का 44वाँ संस्करण

भारत 23 से 26 मई, 2023 तक नई दलिली में ISO COPOLCO प्लेनरी के 44वें संस्करण की मेज़बानी कर रहा है। यह कार्यक्रम [भारतीय मानक ब्यूरो \(Bureau of Indian Standards- BIS\)](#) द्वारा आयोजित किया जाता है।

### ISO COPOLCO प्लेनरी:

- **परिचय:**
  - ISO COPOLCO उपभोक्ता नीति हेतु अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) की एक समिति है।
  - समिति यह सुनिश्चित करती है कि मानकों को उपभोक्ता की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर विकसित करने के साथ ही मानकीकरण प्रक्रिया में उपभोक्ता भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए।
- **प्रासंगिकता:**
  - ISO COPOLCO प्लेनरी वैश्विक मानकों को आकार देने और विश्व भर के लोगों के जीवन को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - यह आयोजन ISO सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है और मानकों के त्वरित विकास के लिये रणनीति बनाता है।
- **महत्त्व:**
  - इस आयोजन का उद्देश्य उपभोक्ता जुड़ाव, टिकाऊ भविष्य और उपभोक्ता संरक्षण हेतु कानूनी ढाँचे के लिये चुनौतियों और अच्छे अभ्यासों को संबोधित करना है।
  - यह उपभोक्ताओं से संबंधित मामलों पर चर्चा करने हेतु मंत्रियों और प्रतिष्ठित हस्तियों सहित उच्च स्तरीय वक्ताओं के लिये एक मंच प्रदान करता है।

### अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO):

- **परिचय:**
  - यह एक अंतरराष्ट्रीय मानक विकास संगठन है जो सदस्य देशों के राष्ट्रीय मानक संगठनों के प्रतिनिधियों से बना है।
  - यह इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के अलावा सभी तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों में मानकीकरण को विकसित और प्रकाशित करता है, जसि अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC) द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
  - ISO आधिकारिक तौर पर वर्ष 1947 में अस्तित्व में आया।
- **मुख्यालय:**
  - जनिवा, स्वट्ज़रलैंड।
- **आधिकारिक भाषा:**
  - अंगरेज़ी, फ्रेंच और रूसी।
- **सदस्य:**
  - ISO एक स्वतंत्र, गैर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जसिके 168 राष्ट्रीय मानक निकाय सदस्य हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण में भारत की भूमिका:**
  - भारत अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और ISO के संस्थापक सदस्यों में से एक था।
  - BIS भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में कार्य करता है और अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मानकीकरण पहलों में भाग लेता है।
    - BIS, [IBSA](#) के ढाँचे के तहत ISO, अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC) और प्रशांत क्षेत्र मानक कॉन्ग्रेस (PASC) जैसे क्षेत्रीय मानक निकायों तथा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय मानक संगठन (SARSO) का सदस्य है।

### भारतीय मानक ब्यूरो (BIS):

- BIS वस्तु के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास के लिये भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है।
  - इसे BIS अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया था जो दिसंबर 1986 में लागू हुआ तथा वर्ष 2017 में एक नया BIS अधिनियम, 2016 लागू किया गया।
- BIS उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तत्वावधान में काम करता है
- BIS कई तरीकों से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का पता लगाने की क्षमता रखता है और वास्तविक स्थितियों को भी प्रदर्शित करता है:

- सुरक्षति वशिवसनीय गुणवत्ता के वस्तुएँ उपलब्ध कराना ।
- उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य संबंधी खतरों को कम करना ।
- निर्यात और आयात को बढ़ावा देना ।
- मानकीकरण, परमाणन तथा परीक्षण के माध्यम से वस्तुओं आदिके प्रसार पर नियंत्रण ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/44th-edition-of-the-iso-copolco-plenary-1>

